दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन | मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 154
मुरादाबाद
(Thursday)
24 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'धन ही सब कुछ नहीं': राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों को सेवा का बताया महत्व, कहा- देश और समाज के हित को रखें ऊपर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छात्रों से कहा कि वे अपनी शिक्षा और काम का उपयोग देश व समाज के हित में करें। इसके साथ ही उन्होंने इंजीनियरों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, कलाकारों और लेखकों से मानवता की सेवा को प्राथमिकता देने की अपील की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को छात्रों से कहा कि वे अपने काम के क्षेत्र में देश और समाज के हितों को सबसे ऊपर रखें। ऐसा करने से देश और समाज के साथ-साथ उनकी भी तरक्की होगी। राष्ट्रपति महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के 75वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सही मायने में सार्थक होगी, जब इससे देश और समाज को लाभ होगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों से क्या कहा? उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी शिक्षा का इस्तेमाल सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए करने से आगे बढ़कर सोचना चाहिए। यह विचार करना चाहिए कि वे समाज के बड़े हित में कैसे योगदान दे सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर छात्र अपने काम के क्षेत्र में देश और समाज के हितों को सबसे ऊपर रखते हैं, तो देश और समाज के साथ-साथ उनकी भी तरक्की होगी।उन्होंने

कहा कि ऐसी तरक्की से उन्हें बहुत संतुष्टि मिलेगी। उन्हें अपनी शिक्षा की सार्थकता का एहसास होगा। अगर आप इंजीनियर बन रहे हैं, तो ऐसी तकनीकें विकसित करें जिनसे लोगों का जीवन बेहतर हो। अगर आप डॉक्टर बन रहे हैं, तो चिकित्सा को सिर्फ एक पेशा न समझें। इसे एक सेवा मानें।उन्होंने कहा, सेवा में ही मानवता और शांति निहित है। इससे संतुष्टि मिलती है। जीवन जीने के लिए संसाधनों की जरूरत तो होती है, लेकिन धन ही सब कुछ नहीं है। दूसरों की सेवा करने से ही सच्ची संतुष्टि मिलती है राष्ट्रपति ने कहा कि वैज्ञानिकों को मानवता के हित में समस्याओं के समाधान पर काम करना चाहिए, जबकि कलाकारों और लेखकों को अपनी कला और रचनाओं के माध्यम से समाज की संवेदनशीलता को समृद्ध करना चाहिए।

अखिलेश यादव बोले- यूपी चुनाव 2027 ज्ञानेश गुप्ता की देखरेख में न हो, कठपुतली बनकर कर रहे काम

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भी चुनाव ने पक्षपात किया और जिन जगहों पर सपा के वोटर थे उन्हें चिह्नित कर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। हमने जब इस पर एफिडेविड के साथ शिकायत की तब भी किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।केंद्रीय चुनाव आयोग को लेकर हुए खुलासे के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आयोग की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का व्यवहार लोकतंत्र के लिए घातक है। चुनाव आयुक्तों ने 10 महीने में 14 बार आपत्ति दर्ज कराई लेकिन फिर भी ध्यान नहीं दिया गया। ये बताता है कि देश के कई राज्यों की बनी सरकारें असंवैधानिक हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने मांग की है कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की देखरेख में न करवाया जाए। उनके फैसलों का चुनाव आयोग के अन्य अधिकारी भी

आपत्ति कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भी चुनाव ने पक्षपात किया और जिन जगहों पर सपा के वोटर थे उन्हें चिह्नित कर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। हमने जब इस पर एफिडेविड के साथ शिकायत की तब भी किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पता चलता है कि देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहे हैं। यूपी में हुए उपचुनाव में भी हमने देखा कि किस तरह बेईमानी की गई थी।कठपुतली बनकर काम कर रहा है चुनाव आयोग- अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ लोग सत्ता की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं जिससे कि सत्ता उनके पास बनी रहे। ये लोकतंत्र को मिटाने का षड्यंत्र है। जो अपने हस्ताक्षर नहीं कर सकता है उसके साइन बनाकर सैकड़ों लोगों के वोट काटे गए। जब खुलासा हुआ तो एक भी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि अब चुनाव आयोग इतना एक्सपोज हो चुका है कि अब राजनीतिक दल तो दूर जनता ही आने वाले समय में जवाब देगी। इससे ज्यादा भाजपा की सरकारें एक्सपोज हो गई हैं। आने वाले चुनाव में जनता इनको जवाब देगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग षड्यंत्र कर रहा है। हमने यूपी के चुनाव और उपचुनाव में करीब से देखा है। शिकायत करने पर एक भी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

टाइम आएगा हम आपको पकड़ेंगे': राहुल का आरोप- बीजेपी, आरएसएस और चुनाव आयोग देशद्रोह कर रहे, न्याय जरूर होगा

राहुल गांधी ने कथितन वोट चोरी को भारतीय लोगों के खिलाफ अपराध और संविधान पर हमला बताते हुए भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसी बीच पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने फॉर्म-6 में बदलाव और चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों को गंभीर बताया। फॉर्म-6 में बदलाव पर विवाद क्यों हुआ? चुनाव आयोग का पक्ष क्या है?कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि मैं चुनाव आयोग और उनके अधिकारियों को साफ कह रहा हूं। आप जो कर रहे हो, गलत कर रहे हो। ये देश के खिलाफ है। ये मत भूलिए, जब टाइम आएगा हम आपको पकड़ेंगे बचने वाले नहीं हो। इसके साथ ही उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि वोट की चोरी भारत के लोगों के खिलाफ एक अपराध है। भाजपा आरएसएस और चुनाव आयोग ने देशद्रोह का काम किया है। इंसाफ जरूर होगा।इसके कुछ देर बाद अभिषेक मनु सिंघवी ने भी प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि मुख्य चनाव आयुक्त ने पूरी चुनाव आयोग को हाइजैक कर रखा है। उन्होंने अपने साथियों को भ्रम में रखा। आयोग का फैसला कोई अकेले नहीं ले सकता। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय सांविधानक संस्थाएं बिल्कुल भी स्वतंत्र नहीं है।

आयुष्मान भारत के आठ साल: 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिला स्वास्थ्य कवरेज, पीएम मोदी बोले- गरीबों के लिए वरदान

आयुष्मान भारत योजना के आठ साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने बताया कि योजना के तहत 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिल रहा है। अब तक 13 करोड़ से अधिक लोगों ने इलाज का लाभ लिया है और 39 हजार से ज्यादा अस्पताल जुड़े हैं।आयुष्मान भारत योजना के बुधवार को आठ साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इससे देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए तक की हेल्थ कवरेज मिली है, जो कि इसे दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बनाती हैं। पीएम मोदी ने क्या कहा? आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आठ साल पहले, आयुष्मान भारत की शुरुआत इस सोच के साथ की

गई थी कि हर भारतीय को बेहतरीन और किफायती हेल्थकेयर मिल सके। आज, 60 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सालाना 5 लाख रुपए का हेल्थ कवर मिल रहा है, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि इसने इलाज के खर्च में रिकॉर्ड बचत मुमकिन बनाई है, जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग को फायदा हुआ है। हेल्थकेयर हर घर के करीब पहुंच रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अब तक 500 करोड़ से ज्यादा विजिट दर्ज की जा चुकी हैं, जिससे जमीनी स्तर पर प्राइमरी हेल्थकेयर मजबूत हुई है।वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 साल पहले %सेवा का संकल्प% लिया था, जिसने लाखों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बदल दिया है। आज आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई जो दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। देश भर में आधा अरब से ज्यादा लोगों को कवर करती है। 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को कवर करने, 48.54 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाने और 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के इलाज का लाभ उठाने के साथ, यह योजना पूरे भारत में परिवारों के लिए अच्छी क्वालिटी की हेल्थकेयर और आर्थिक सुरक्षा के वादे को हकीकत में बदल रही है। देश भर में 39,000 से ज्यादा सूचीबद्ध सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के जरिए 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हॉस्पिटलाइजेशन और इलाज का लाभ उठाया गया है।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों परिवारों के लिए बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाया है। रीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह योजना इलाज के खर्च की चिंता कम कर, स्वस्थ और सुरक्षित जीवन का संबल बनी है।

मायावती का बड़ा फैसला: भतीजे ईशान आनंद को बनाया राष्ट्रीय संयोजक, बसपा की बैठक में किया एलान

लखनऊ में बसपा की बैठक में ईशान आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने का एलान किया गया। इससे पहले उन्होंने मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। राजधानी लखनऊ में बुधवार को बसपा की अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें ईशान आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने का एलान हुआ। इससे पहले ईशान आनंद ने बसपा सुप्रीमो मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। पार्टी में हालिया बदलावों के बीच ईशान को लेकर चर्चाओं का

बाजार गर्म था। अब उनकी जिम्मेदारी की घोषणा हो गई है। बताते चलें कि मायावती ने हाल ही में ईशान आनंद को पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देने की बात कही थी। इसके बाद से कयासों का बाजार गर्म था। आज बैठक में संगठन और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर मंथन हुआ। इसी दौरान ईशान आनंद को नई जिम्मेदारी सौंपे जाने की घोषणा कर दी गई।बताते चलें कि बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के अलावा सभी राज्यों के पार्टी अध्यक्ष शामिल हुए। इसमें मायावती ने चुनाव की जमीनी तैयारियों और प्रत्याशियों के चयन पर भी चर्चा की। साथ ही वर्तमान राजनीतिक हालात को लेकर पार्टी पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।इसके अलावा सभी राज्यों से संगठन से जुड़े कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। इसके आधार पर आगे के निर्देश दिए जाएंगे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह रहा।

जीरो कमीशन पर चलेगी भारत टैक्सी, सीएम योगी बोले- चालकों को मिलेगी पांच लाख की सामाजिक सुरक्षा

सीएम योगी ने लखनऊ में भारत टैक्सी को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी जीरो कमीशन पर चलेगी। चालकों को पांच लाख की सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सहकारिता एवं नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने बुधवार को भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ किया। भारत टैक्सी में टैक्सी के साथ दोपहिया और तिपहिया वाहन चालक भी पंजीकरण कराकर जीरो कमीशन पर जुड़ सकेंगे। चालकों को पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा देने की बात कही गई है। फिलहाल लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी

और प्रयागराज में सेवा शुरू की गई है।सीएम योगी ने कहा कि भारत टैक्सी केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की सेवा नहीं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार का माध्यम भी बनेगी। उन्होंने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को भारत टैक्सी की तर्ज पर ग्रामीण बस सेवा को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि इससे लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुल सकते हैं।सीएम ने प्रयागराज महाकुंभ-2025 में रैपिडो की सेवा का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़ी संख्या में युवाओं ने बाइक के माध्यम से श्रद्धालुओं को संगम, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तक पहुंचाने में योगदान दिया। इससे यात्रियों को सुविधा मिली और यातायात भी बाधित नहीं हुआ।मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक से किसानों को मिलने वाले ऋण की ब्याज दर 11 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दी गई है। खेती-बाड़ी और कृषि मशीनरी के लिए दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। आने वाले वर्षों में पांच लाख लघु और सीमांत किसानों को इसका लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के बाद 86 लाख लघु और सीमांत किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण माफ किए गए। करीब साढ़े नौ वर्षों में 24 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया है। 16 लाख से अधिक निजी ट्यूबवेल वाले किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है।3.30 लाख करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान-सीएम ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 122 चीनी मिलें संचालित हैं। इनमें 100 से अधिक मिलों से चौथे दिन गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा रहा है। निष्क्रिय हो गए थे। अब इनमें से 15 बैंक फिर मुनाफे में आ चुके हैं। सहकारिता से 54 लाख नए सदस्य जुड़े हैं। पैक्स की ब्याज मुक्त कैश क्रेडिट सीमा भी 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपये की गई है।पोर्टल और मोबाइल एप की शुरुआत-कार्यक्रम में सीएम ने मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि पोर्टल एप, उर्वरक मोबाइल एप और कोऑपरेटिव डाटा सेंटर एवं मोबाइल एप की शुरुआत की। पांच सारथियों को भारत टैक्सी के शेयर प्रमाण पत्र और पांच लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के ऋण स्वीकृति पत्र दिए गए। इसके बाद सीएम और केंद्रीय मंत्री ने भारत टैक्सी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विधान परिषद में मो. जासमीर अंसारी होंगे नेता प्रतिपक्ष, अखिलेश यादव ने लगाई मुहर

यूपी विधान परिषद में सपा के मो. जासमीर अंसारी नेता प्रतिपक्ष होंगे। अखिलेश यादव ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद में अपने नेतृत्व में बदलाव करते हुए जासमीर अंसारी को नया नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है।जासमीर अंसारी वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे लाल बिहारी यादव की जगह लेंगे। पार्टी के इस फैसले को आगामी राजनीतिक समीकरणों और सांगठनिक रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। जासमीर अंसारी के मनोनयन से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। जल्द ही वह औपचारिक रूप से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। जासमीर मूल रूप से सीतापुर के रहने वाले हैं।

संपादकीय Editorial

This employment is like a 'cumin seed'.

We are reminded of the 2013-14 scenario. Narendra Modi was the BJP's prime ministerial candidate then. That era was marked by corruption, inflation, and unemployment. These inflation and unemployment remain prevalent today. However, in the run-up to the 2014 Lok Sabha elections, Modi assured the nation that if his party formed the government, 20 million jobs would be created annually. The nation voted for the BJP, and Modi became Prime Minister. He has held this constitutional post since then, but in the 12 and a quarter years since, the government has distributed a total of over 1.5 million appointment letters. However, the government claims that a total of approximately 170 million jobs have been created. According to the assurance, a total of 240 million jobs should have been created. Prime Minister Modi has yet to provide any explanation for this. In fact, over 800,000 vacancies remain in the central government. Why are they not being filled? We have been asking this question. The Prime Minister has also not provided any data on how many jobs have been created in private or public enterprises. A NITI Aayog report has revealed that only 8.27% of graduates have found work commensurate with their qualifications. This means that over 91% of the remaining youth and workers are working in unwanted, unsuitable, menial jobs in the private sector, or are working on contract, or are claiming to be engaged in agriculture. The average monthly income in agriculture is just over ?10,000, according to the government's own data.

In fact, this is the average employment reality in India. Take the example of Uttar Pradesh, the largest state. Before winning the 2022 elections, Chief Minister Yogi Adityanath promised to create 7 million jobs (including jobs) in five years. He has been in power continuously since 2017. Now, on the eve of the elections, he himself has revealed that in nine and a half years, we have created approximately 950,000 jobs (are they even jobs?) and will create 100,000 more in the next six months. The total of these jobs is a drop in the ocean compared to the 7 million. At the recent employment fair organized by the Uttar Pradesh government, only 818 appointment letters were distributed. The government has barely four months left. After that, elections will be announced and the Model Code of Conduct will come into effect. How will jobs be provided? Since the Uttar Pradesh Assembly elections are scheduled for March-April 2027, and winning these elections is a matter of prestige and honor for the BJP, the Prime Minister, ministers, spokespersons, and Chief Minister are showering their love and commitments on the "Gen-G" category. The reality of employment for Gen-G and relatively older youth is that under the "PM Internship Scheme," which was so loudly announced in the budget, only 16,614 youth have received internships, whereas according to the scheme, approximately 3.68 lakh youth should have received this opportunity. Only the Prime Minister or the Finance Minister would know the reasons, gaps, and discrepancies. "Skill development" has been one of Prime Minister Modi's flagship schemes. During 2015-2026, a total of approximately 47.3 million youth were registered, trained, and issued certificates, but only 21.84 lakh of them secured jobs. This figure would be a source of embarrassment for the government! One might ask: were the remaining 40 million youth "skillless"? What happened to their employment? Has this scheme also failed? Azim Premji University is private, but its reputation and stature are significant. Its studies and surveys show .

Judicial Dysfunction Hinders the Nation

Over 50 million cases are pending in the country's courts, leading to social frustration and hindering economic progress. Over 6.5 million cases are pending in the High Courts, a worrying situation. A total of over 50 million cases hinder the country's progress. Political will and judicial reforms are essential for speedy justice. Details of the number of pending cases, from the Supreme Court to the lower courts, are periodically revealed. When this happens, concern is expressed at some level, and then things return to normal.

It remains to be seen whether the country's policymakers will merely react to a recent report or will they also make concrete efforts to improve the situation? According to this report, the number of pending cases in the country's High Courts has exceeded 6.5 million. Such a large backlog of cases in the High Courts means that our judicial system is hindering the country's progress. It should be well known that in any country, especially a developing one, the lack of speedy justice not only increases social frustration but also prevents timely and proper enforcement of laws. This situation not only frustrates the public but also hinders economic progress. The problem isn't just the large number of cases pending in the High Courts; the number of pending cases is also increasing in the Supreme Court and lower courts. Another irony is that pending cases are also increasing in the NCLT and tribunals. It would not be unfair to say that the complex and protracted nature of disputes between the government and companies or shareholders is making the situation worse. Overall, timely justice is becoming increasingly difficult to obtain at any judicial forum. According to a report outlining the number of pending cases in the High Courts, the Supreme Court receives petitions seeking directions to the High Courts for speedy disposal of cases. The report also reveals that the Allahabad High Court and the Rajasthan High Court have the highest number of pending cases among the High Courts. The situation is similar in other High Courts, including the Bombay, Madras, Karnataka, and Madhya Pradesh High Courts.

In the Allahabad High Court, each judge's bench is required to hear an average of 150-200 cases, but the sheer number of pending cases remains a problem. The Supreme Court's problem is that it cannot direct the High Courts to expedite hearings. This is because if it does so in some cases, it will be inundated with petitions demanding speedy disposal.

It would be good if our policymakers understood that the current judicial system is failing to meet the expectations of everyone from the general public to the corporate world and even the government. The problem isn't just a shortage of judges; the problem is also the lack of resources in the courts. Another problem is judicial procedures. These procedures lead to a cycle of adjournments. This problem will not be resolved until the government, judges, and lawyers work together to resolve it. Chief Justices of the Supreme Court, along with those in top positions in the executive and legislature, have expressed their concern about this problem. However, the three organs of the country's system—the judiciary, executive, and legislature—are unable to reach a consensus on solutions to the problem. Lack of political will, rather than lack of funds, is responsible for the delay in providing timely justice to all. If the judiciary and executive cannot reach a consensus on measures to deliver timely justice, reform of the judicial system is difficult.

Today, as the country is progressing rapidly and the Modi government has set a goal of making India a developed nation by 2047, establishing a process that delivers speedy justice is not only necessary but imperative. Reforming the judicial system must be given top priority, as the number of pending cases, which are one-and-a-half or two decades old, is also increasing. In many cases, it has been revealed that people remain in jail for years without conviction and are later proven innocent. Some high-profile cases also remain pending for years. The delay in their disposal is occasionally discussed, but there is no sign of a final decision.

It is unjustified that concern about a serious problem is expressed at every level, yet no solution is found. It is a fact that concerns about the backlog of pending cases have persisted for nearly two decades, but the result has been insignificant. It is worrying that the number of pending cases in all courts and tribunals has surpassed the 50 million mark. If even five people are involved in a case, it means that approximately 250 million people are stuck in litigation. It is also a fact that lakhs of crores of rupees are stuck in pending cases, especially in tribun als. In the interest of the country and society, the judiciary and the executive must work together to find a concrete way to expedite the disposal of pending cases without delay. Establishing a system for timely resolution of disputes is an urgent need today. It should be understood that if delays in justice persist, this will exacerbate problems at every level, blocking the country's path to becoming a developed nation.

Forest-Related Research

The increasing number of wild animal attacks on human settlements has finally reinforced the need for a study that has been documented as a challenge in Himachal. A center will be established in Himachal under a project to research human-wildlife conflict. Wild animals are now seeking food in settlements, indicating a decline in their natural habitat, climate change, and food shortages. The death of a shopkeeper in Gyana village, Arki, a few days ago due to a leopard attack is a test of many factors. Fifty-year-old Hira Singh was welding in his shop when a stray leopard attacked him. There have been 93 cases of bear attacks alone in the last three years. Adding the number of attacks by mischievous monkeys, the sequence of events is frightening. The study, to be conducted under the auspices of the Wildlife Institute of India, is the need of the hour. Any efforts toward afforestation in Himachal are the result of a one-sided approach. Changing lifestyles, degraded farmlands, and the advent of urban mentality are fueling a new era of human-wildlife conflict. The damage caused to agriculture in Himachal by monkeys is now decimating the rural economy, while a threat to the development goals is disturbing the migration of wild animals.

Himachal's forest policy has only counted the financial benefits or led to plantations unsuitable for wildlife. Since pine trees have sprouted everywhere, wildlife survival in the forest has become increasingly difficult, forcing them to seek shelter in nearby human settlements. First, farmlands were attacked, with pigs digging up the soil, and monkeys stealing vegetables and fruits. Himachal's forest data proves to be contrary to human culture, the need for development, the supply of natural resources, traditional life, and human rights to the forest. If 68 percent of Himachal's land is covered by forests, why has the forest proved unsuitable for wildlife? If a state is to support human activities, development needs, economic options, agriculture, horticulture, and the utilization of natural and water resources on just 32 percent of its land, its entire scientific practice will have to be transformed. Furthermore, when human life existed within the forest, the dignity of life was different. When fodder, herbs, and shrubs grew in place of pine trees, even animals could obtain milk from the forest. Humans could find their healing and sustenance from herbs and wild plants. Now, the forest is locked, but wild animals are breaking the locks on human life. In such a situation, even if tomorrow's study finds fault with wildlife in Himachal's data, if the harsh language written with the whip of the Wildlife Protection Act is not softened, the forest walls, built on the foundation of imbalance, will only prove more fatal to human life. The definition of forest should first be changed to such an extent that the wild animals can return to their natural habitat and the allocation of forest land for the development of human life should be measured on the condition that the necessary land is available for economy, employment and future solutions.

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

पर्यूषण पर्व के आठवें दिन मनाया उत्तम त्याग धर्म

बिलारी । श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पर्यूषण पर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म के रूप में मनाया गया। प्रात: जैन अनुयायियों ने वेदी में विराजमान सभी प्रतिमाओं का शुद्ध जल से अभिषेक किया।

इसके बाद श्री शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा की शांतिधारा कर अभिषेक एवं आरती की गई।सामूहिक पूजा में देव, शास्त्र, गुरु चौबीसी, भगवान सोलह कारण, दस लक्षण धर्म, श्री कुंथनाथ भगवान, श्री अरहनाथ भगवान, मल्लिनाथ भगवान तथा रत्नत्रय श्री गोपाचल पार्श्वनाथ आदि की पूजा-अर्चना की गई। उत्तम त्याग धर्म के बारे में प्रकाश डालते हुए कौशल जैन ने कहा कि निस्वार्थ भाव से, कीर्ति और प्रत्युपकार की भावना से रहित होकर वस्तु का त्याग करना ही उत्तम त्याग है। संसार की कोई भी वस्तु मनुष्य के साथ जाने वाली नहीं है, इसलिए सांसारिक वस्तुओं के मोह का त्याग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जड़ वस्तुओं के त्याग से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। एक त्याग के कारण ही सिंह स्वर्ग का देव बना और कालांतर में यही जीव भगवान महावीर हुए। इस दौरान रीता जैन, सीमा जैन, रेखा जैन, शिल्पी जैन, शगुन जैन, मिशिता जैन, आर्यांश जैन, कल्पना जैन, गरिमा जैन, पावनी जैन, रेनू जैन, मानसी जैन, शशि जैन, पूजा जैन, सर्वांग जैन, सुरभि जैन, लवी जैन, नेहा जैन, खुशी जैन, वर्णिका जैन, निधि जैन, अन्वी जैन, राकेश जैन, कौशल जैन, विनोद जैन, संजय , अभिषेक जैन, प्रतीक जैन, समीर जैन, तनिष्क जैन, शशांक जैन, विपुल जैन, रजत जैन, आरभ जैन, आशा जैन, निधि जैन आदि मौजूद रहे।

महिलाओं में बढ़ी तंबाकू की लत, 51 हजार खा रही गुटका; शराब और सिगरेट की भी शौकीन हैं महिलाएं

मुरादाबाद महिला तंबाकू सेवन– राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की जिलेवार जारी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। मुरादाबाद की महिलाओं में तंबाकू की लत बढ़ गई है। 51 हजार गुटका खां रही हैं। शहर की 2500 महिलाएं शराब और सिगरेट की भी शौकीन हैं।मुरादाबाद शहर की करीब ढाई हजार महिलाएं शराब की शौकीन हैं। जबकि 51 हजार से ज्यादा महिलाओं को तंबाकू की लत लगी है। इसका खुलासा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की (एनएफएचएस) रिपोर्ट में हुआ है। शराब और तंबाकू का सेवन करने वालों में किशोरी से लेकर महिलाएं तक शामिल हैं। इनकी उम्र 15 साल से अधिक है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराया जाता है। ये सर्वे देशभर में होता है। इसमें जिलेवार 40 से अधिक बिंदुओं पर सर्वे कराया जाता है। इस साल मई में एनएफएचएस-6 की रिपोर्ट जारी की गई है। इससे पहले पांच बार एनएफएचएस कराया जा चुका है। इसका मकसद स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और जनसांख्यिकी से जुड़े आंकड़े एकत्र करना है। इन आंकड़ों के आधार पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रभावी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण नीतियां तैयार करना। साथ ही सरकार की चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति और उनके असर का आकलन करना भी है।

एनएफएचएस-6 की रिपोर्ट के मुताबिक शहर में किशोरियों, युवतियों और महिलाओं शराब और तंबाकू के सेवन से गुरेज नहीं है। हालांकि आबादी की तुलना में उनकी संख्या मामूली है। करीब ढाई हजार महिलाएं ऐसी हैं जो शराब का सेवन करतीं हैं। ऐसे ही 51 हजार से ज्यादा महिलाएं गुटखा-पान खातीं हैं। साथ ही धुंए का छल्ला बनाती हैं। शराब और तंबाकू का सेवन करने वालों की उम्र 15 साल से अधिक हैं। इसमें किशोरी और युवतियां भी शामिल हैं। जिले में इस आयुवर्ग की किशोरियों और महिलाओं की अनुमानित संख्या करीब-करीब 11.42 लाख है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 की रिपोर्ट जारी कर दी गई है। मुरादाबाद में 15 साल से अधिक उम्र की 2500 से अधिक किशोरियां और महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। 4.5 प्रतिशत तंबाकू का सेवन करती हैं। - रघुवीर सिंह, डीपीएम, एनएचएम

तंबाकू का सेवन करने में महिलाओं की संख्या बढ़ीं, शराब पीने वालीं घटीं

मुरादाबाद एनएफएचएस-5 की तुलना में जिले में तंबाकू का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है। जबकि शराब पीने वालों की संख्या घटी है। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के मुताबिक 15 साल से अधिक उम्र की किशोरियों और महिलाओं की संख्या चार हजार के करीब थी। वहीं एनएफएचएस-5 में तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या करीब 41135 थी। जो एनएफएचएस-6 में बढ़कर करीब 51419 हो गई है। जबकि पुरुषों में शराब और तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या घटी है।हर दूसरी महिला के पास मोबाइल फोन- मुरादाबाद नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 की रिपोर्ट के मुताबिक मुरादाबाद जिले में 15 से 49 वर्ष आयुवर्ग की हर दूसरी महिला के पास मोबाइल फोन है।

अनुमानित आबादी के मुताबिक जिले में 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं की संख्या करीब 8.50 लाख है। सर्वे में करीब 48.5 फीसदी महिलाओं के पास मोबाइल है। वह खुद मोबाइल फोन चलातीं हैं।दो लाख से ज्यादा महिलाओं का बैंकों में खाता नहींमुरादाबाद जिले में कितनी महिलाओं के पास बैंकों में खाते हैं या नहीं है इसका भी सर्वे कराया गया था। एनएफएचएस-6 के मुताबिक जिले (15 से 49 वर्ष तक) की 19 फीसदी महिलाओं का बैंकों में खाता नहीं है। इनकी संख्या दो लाख से ज्यादा है। जबकि 81 प्रतिशत महिलाएं बैंक खाता धारक हैं। यह संख्या करीब 8.50 लाख है।

अनुनय झा बने मुरादाबाद के डीएम, पहले हरदोई में थे तैनात

♦ संभल से चार माह पहले मुरादाबाद डीएम बनकर आए डॉ. राजेंद्र पैंसिया को शासन ने हटाया

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। अनुनय झा को मुरादाबाद का नया डीएम और हिमांशु कौशिक को नगर आयुक्त बनाया गया है। शासन ने 34 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर नई तैनाती कर दी। इसमें 14 जिलों में डीएम के दायित्व में भी फेरबदल किया गया है। इसमें मुरादाबाद में तैनात डॉ. राजेंद्र पैंसिया को हटाकर उनकी जगह हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा को यहां का जिलाधिकारी बनाया है। वहीं, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल को बागपत का जिलाधिकारी बनाया गया है। शासन से जारी तबादला सूची में डॉ. राजेंद्र पैंसिया को मुरादबाद के डीएम से हटाकर शासन में विशेष सचिव कारागार एवं सुधार बनाया गया है। उनकी जगह पर अनुनय झा की तैनाती की गई है। वह 2015 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने रुड़की आईआईटी से बीटेक किया है। उन्होंने पहले प्रयास में साल 2013 की सिविल सेवा परीक्षा में 145वीं रैंक हासिल की थी और आईआरएस बने थे, लेकिन अगले साल ही 2014 में 57वीं रैंक प्राप्त कर आईएएस बने। मूल रूप से देवघर (झारखंड) से ताल्लुक रखने वाले अनुनय झा के पिता नित्यानंद मिश्रा भी आयकर विभाग में चीफ कमिश्नर रहे हैं और उनकी माता अल्का झा भारतीय डाक बोर्ड में सदस्य हैं। उनके नाना भी आईपीएस रहे और डीजीपी के पद तक सेवाएं प्रदान की। मुरादाबाद से पहले वह 20 मई 2025 से हरदोई के डीएम रहे। इसके अलावा वह महाराजगंज के जिलाधिकारी, मथुरा-वृंदावन के नगर आयुक्त, अलीगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी और झांसी के एसडीएम / विशेष कार्य अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी पहली पोस्टिंग मथुरा में हुई थी। शासन की नजर में युवा होने के साथ वह तेज तर्रार और विकासपरक व जनहित के प्रति समर्पित प्रशासनिक अधिकारी हैं।हिमांशु कौशिक बनाए गए मुरादाबाद के नगर आयुक्तमुरादाबाद में विकास का नया आयाम गढ़कर विकास योजनाओं व शहर को धार्मिक, सांस्कृतिक व पर्यटन के नक्शे पर चमकाने वाले नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल को बेहतर कार्य का ईनाम सरकार ने बागपत का जिलाधिकारी बनाकर दिया है। उनके कार्यकाल में मुरादाबाद विकास के नक्शे पर सशक्त बनकर उभरा। हनुमान वाटिका, संविधान साहित्य पार्क, त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय, चिल्ड्रेन पार्क, भूलभुलैया, स्पंदन सरोवर पार्क, शहर के सभी पार्कों व सौंदर्यीकरण, बुध बाजार का सौंदर्यीकरण कराकर नये रूप में प्रदर्शित करने सहित अन्य कई काम उनके काम उनके कार्यकाल की शानदार उपलब्धियों में शामिल हैं। उनकी समर्पित कार्यशैली व विकास के प्रति जुनून के चलते स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न सिर्फ मुरादाबाद भ्रमण के दौरान बल्कि अयोध्या सहित कई अन्य जगह आयोजित जनसभा में उनके कार्य की सराहना कर अन्य जिलों के अधिकारियों से भी मुरादाबाद शहर में हुए विकास कार्यों के मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित कर चुके हैं। अब उनके स्थान पर शासन ने हिमांशु कौशिक को मुरादाबाद का नगर आयुक्त बनाया है। वह 2018 बैच के यूपी कैडर के आईएएस हैं। वर्तमान में वह यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन में प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे अतिरिक्त निजी सचिव के पद पर रह चुके हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस :

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला अन्सारीयान वार्ड संख्या-13 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-453 जो गृहकर अभिलेखों में श्री चांद मौहम्मद पुत्र श्री अनवार हुसैन निवासी मौहल्ला अन्सारीयान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है पर श्री मौ0 यासीन पुत्र श्री नूर मौहम्मद निवासी मौहल्ला अन्सारीयान करब्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों में अपना नाम रकबई 50.17 वर्गमीटर पर दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-29/06/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	453	अन्सारीयान	श्री चांद मौहम्मद पुत्र श्री अनवार हुसैन	श्री मौ0 यासीन पुत्र श्री नूर मौहम्मद

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक
नगर पालिका परिषद बिलारी

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी की जांच करने पहुंची टीम पर ग्रामीणों का हमला, जेई को बंधक बनाकर पीटा

चांदपुर के बागड़पुर में बिजली चेकिंग के दौरान हंगामा, घायल जेई अस्पताल में भर्ती; पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र के बागड़पुर में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची विभागीय टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिजली चोरी पकड़े जाने के बाद जेई सुधीर को बंधक बनाकर पीटा गया। घायल जेई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने नामजद और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची बिजली विभाग की टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना चांदपुर थाना क्षेत्र के बागड़पुर इलाके की बताई जा रही है। आरोप है कि चेकिंग के दौरान बिजली चोरी पकड़े जाने से नाराज कुछ ग्रामीणों ने टीम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान हाइडिल के जेई सुधीर को बंधक बनाकर पीटने की बात सामने आई है। बिजली चोरी की जांच के दौरान बिगड़ा माहौल- मिली जानकारी के अनुसार, जेई सुधीर अपनी टीम के साथ इलाके में बिजली चोरी की जांच करने पहुंचे थे। टीम ने एक घर में केबल काटकर कथित तौर पर बिजली चोरी किए जाने का मामला पकड़ा। इसके बाद वहां मौजूद लोगों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई।आरोप है कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और भीड़ ने जेई को घेर लिया। उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल जेई अस्पताल में भर्ती-घटना के बाद घायल जेई सुधीर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन में भी हलचल मच गई।पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों में रोष है। विभागीय कर्मचारियों ने मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।नामजद और अज्ञात आरोपियों पर केस-पुलिस ने मामले में नामजद आरोपियों के साथ अन्य अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बिजली विभाग की टीम पर हमला किन परिस्थितियों में हुआ और इसमें कितने लोग शामिल थे।

अनावश्यक ड्रामेबाज़ी छोड़ ज़मीन पर काम करें, भाजपा कार्यकर्ताओं को क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर की दो टूक

भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने मुरादाबाद में कार्यकर्ताओं को संगठन में समन्वय, निरंतर संपर्क और सेवा भाव से काम करने का संदेश दिया। उन्होंने अहंकार से बचने और अनावश्यक ड्रामेबाजी छोड़कर जमीन पर काम करने की नसीहत दी।भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कार्यकर्ताओं को संगठन में समन्वय, निरंतर संपर्क और सेवा भाव के साथ काम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की अपनी महत्वाकांक्षा होती है, इसमें कोई बुराई नहीं है। मगर,लेकिन संगठन में जो जिम्मेदारी मिले, उसे स्वीकार कर पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए। परिस्थितियां और संगठन की जिम्मेदारियां समय के साथ बदलती रहती हैं। बुधवार को बुद्धि विहार स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित संगठनात्मक बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आपसी मनमुटाव को एक सीमा तक ही रखना चाहिए।जिन कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संगठन में जिम्मेदारी मिली है, उन्हें उन लोगों से लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखना चाहिए, जिनसे अभी तालमेल कम है।उन्होंने कहा कि संगठन संपर्क से मजबूत होता है और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी किसी भी स्थिति में बढ़ने नहीं देनी चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों को अहंकार से बचने की नसीहत देते हुए कहा कि पद मिलने के बाद व्यवहार में बदलाव नहीं आना चाहिए।संगठन में काम करने का मूल आधार सेवा का भाव होना चाहिए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पंखों को मिली सरकारी उड़ान: बरेली की बेटियों ने रची नई इबारत, कन्या सुमंगला' ने दूर की पढ़ाई की तंगी

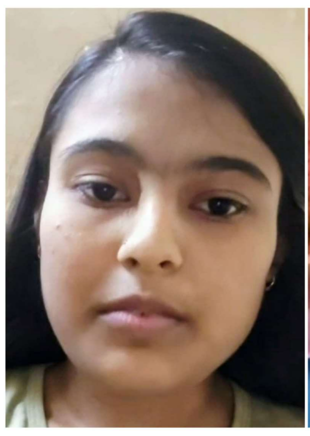
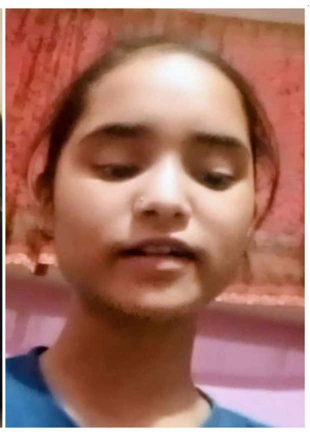

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आर्थिक तंगी अब बेटियों की पढ़ाई में रोड़ा नहीं बनेगी। उत्तर प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' जिले की हजारों बालिकाओं के सपनों की ढाल बनकर उभरी है। स्कूल से लेकर डिग्री कॉलेज तक, यह योजना छात्राओं को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नया मंच दे रही है। तंगहाली पर भारी पड़ा हौसला- निधि की बी.एससी. की राह हुई आसान सुभाष नगर निवासी मनोज सक्सेना की सुपुत्री निधि सक्सेना ने बी.एससी. प्रथम वर्ष में इस योजना का सहारा लिया। निधि बताती हैं कि कॉलेज की फीस और महंगी किताबों की चिंता योजना की आर्थिक मदद से दूर हो गई। निधि ने कहा, इस संबल ने मुझे बिना रुके उच्च शिक्षा जारी रखने का भरोसा दिया है। सोनू के सपनों को संजीवनी- 12वीं की पढ़ाई में परिवार को मिला बड़ा सहारा- राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा सोनू श्रीवास्तव पुत्री सतीश श्रीवास्तव को योजना की प्रथम व द्वितीय श्रेणी का लाभ मिला है। सोनू के अनुसार, सरकारी मदद से शैक्षणिक सामग्री की जरूरतें पूरी हुई और परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। हजारों बेटियों के भविष्य की मजबूत नींव-दोनों छात्राओं ने इस पारदर्शी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। आज यह योजना जिले में ड्रॉपआउट दर घटाने और बेटियों को स्वावलंबी बनाने का सबसे मजबूत जरिया साबित हो रही है।

सील चौराहा से जनकपुरी तक बनी एकता की दीवार, स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की हुंकार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। 'स्वच्छता ही सेवा' एवं 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के तहत नगर निगम बरेली की स्क्रूड्डइष्ट टीम द्वारा जोन-4 के वार्ड 23 (इंदिरा नगर) और वार्ड 50 (जनकपुरी) में भव्य मानव श्रृंखला बनाई गई। शील चौराहा से जनकपुरी गुरुद्वारा तक आयोजित इस यूनिटी ऑफ चेन में सैकड़ों नागरिकों ने हाथ से हाथ जोड़कर स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को गीला-सूखा कचरा अलग रखने, खुले में कूड़ा न फेंकने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। इस दौरान पार्षद सीमा अरोड़ा, गुरुद्वारा समिति अध्यक्ष सरदार मनप्रीत सिंह, वार्ड ब्रांड एंबेसडर राशि पाराशरी, SVPS अध्यक्ष कमलजीत सिंह, SBM IEC टीम और भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन: वार्ड-41 में ऋक्ककलेक्शन ड्राइव आयोजित, 75 नागरिकों ने लिया हिस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । स्वच्छ भारत मिशन के तहत वार्ड-41, बिहारीपुर सिविल लाइंस में बुधवार को 'RRR (Reduce, Reuse, Recycle) कलेक्शन ड्राइव एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। ?अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने नागरिकों को घरों में पड़ी अनुपयोगी वस्तुओं को इधर-उधर फेंकने के बजाय RRR सेंटर पर जमा कराने के लिए प्रेरित किया। टीम ने समझाया कि पुराने कपड़े, किताबें और खिलौने किसी जरूरतमंद के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। कार्यक्रम में करीब 75 स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया और स्वेच्छा से कपड़े व पुस्तकें दान कीं। इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन की टीम ने क्षेत्रवासियों से RRR मॉडल अपनाकर कचरे को संसाधन बनाने में सहयोग की अपील की।

बहेड़ी का मुड़िया फार्म 25 को होगा नीलाम, नवाबगंज मिल की नीलामी की भी उल्टी गिनती शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में देर शाम जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बहेड़ी और नवाबगंज चीनी मिल पर जारी वसूली प्रमाणपत्र (RC) को लेकर अहम बैठक हुई। डीएम ने बकाए की वसूली और संपत्तियों की नीलामी को लेकर कड़े निर्देश जारी किए- मुड़िया फार्म की नीलामी- बहेड़ी चीनी मिल के मुड़िया फार्म की नीलामी 25 सितंबर को नियत है; अफसरों को इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का आदेश दिया गया।नवाबगंज मिल की नीलामी जल्द- एसडीएम नवाबगंज ने बताया कि मिल की मूल्यांकन आख्या आ चुकी है। डीएम ने तहसील स्तर पर वृहद तैयारी कर तुरंत नीलामी कराने के निर्देश दिए। मरम्मत में लापरवाही पर फटकार- बहेड़ी मिल प्रबंधन द्वारा रिपेयरिंग कार्य में उदासीनता बरतने पर नाराजगी जताते हुए काम में तेजी लाने को कहा गया।MOU के तहत तत्काल भुगतान- बहेड़ी मिल की बिक्री के लिए हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार खरीदार फर्म से फौरन भुगतान सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। बैठक में उप गन्ना आयुक्त, एडीएम (एफ/आर), जिला गन्ना अधिकारी, दोनों तहसीलों के एसडीएम, तहसीलदार और गन्ना समितियों के सचिव मौजूद रहे।

खाकी सीखेगी खामोशी की जुबान: बरेली पुलिस ने लिया सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित रविन्द्रालय में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी/लाइन्स) अंशिका वर्मा के पर्यवेक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा पुलिसकर्मियों को भारतीय सांकेतिक भाषा का बुनियादी व व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।इसका उद्देश्य थानों में आने वाले मूक-बधिर फरियादियों की समस्याओं को सीधे समझकर उनकी मदद करना है। कार्यशाला में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चमन सिंह ने दिव्यांगों की भाषा व आवश्यकताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान एएसपी शिवम आशुतोष सिंह, वामा सारथी प्रभारी श्रुति सिंह और संस्था के पदाधिकारियों सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था व संचालन प्रतिसार निरीक्षक हरमीत सिंह ने किया।

बिल्वा में पुलिस चौकी का भव्य उद्घाटन , अब संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी पैनी नजर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवनिर्मित 'बिल्वा पुलिस चौकी' का मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को भव्य उद्घाटन किया गया। पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मुकेश चन्द्र मिश्रा व पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खान की गरिमामयी उपस्थिति में फीता काटकर एवं पर्दा अनावरण कर चौकी का विधिवत शुभारंभ किया। नई पुलिस चौकी के क्रियाशील होने से आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों को आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता मिल सकेगी। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच और प्रभावी सहायता व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। उद्घाटन के अवसर पर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मुकेश चन्द्र मिश्रा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चौकी स्तर पर ही स्थानीय समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समारोह में पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खान व क्षेत्राधिकारी हाईवे, थाना प्रभारी भोजीपुरा चौकी प्रभारी, पत्रकार बंधु, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने थाना भोजीपुर में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया।

धार्मिक स्थल का पीपल काटा, वन विभाग ने दर्ज कराई रिपोर्ट

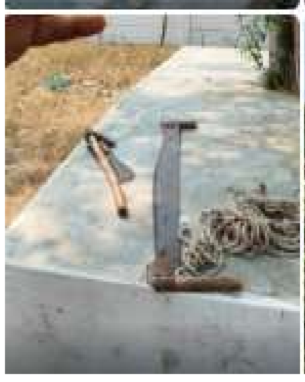

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी गांव चिटोली में धार्मिक स्थल पर मौजूद प्रतिबंधित पीपल का पेड़ काटे जाने से ग्रामीणों में भारी रोष है। आरोप है कि रात के अंधेरे में अज्ञात चोरों ने पेड़ को चोरी की नीयत से काट दिया। आवाज सुनकर ग्रामीण जागे तो आरोपी पेड़ छोड़कर भाग गए। जानकारी के मुताबिक चिटोली गांव के बाहर एक धार्मिक स्थल है। जहां वर्षों पुराना पीपल का पेड़ लगा था। मंगलवार रात अज्ञात व्यक्ति ने पेड़ को काट दिया। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकले। लेकिन तब तक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। बुधवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने विरोध जताया और वन विभाग को सूचना दी। शिकायत पर रेंजर संतोष मठपाल के निर्देश पर वन दरोगा ललित यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की।वन विभाग को आशंका है कि इस वारदात में धार्मिक स्थल की देखभाल करने वाले कन्हैया लाल की मिली भगत हो सकती है। इसी संदेह के चलते वन दरोगा ललित ने कन्हैया लाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। विभाग अज्ञात चोरों की तलाश में जुटा है।

बुजुर्ग डॉक्टर के फोन से सिम चुराकर उड़ाए 12 लाख ; रखवाला ही निकला चोर ,गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने वृद्ध डॉक्टर के बैंक खाते से 12 लाख की ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपी सचिन शर्मा (28) को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी डॉक्टर के घर के सामने स्थित कॉलोनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। सिविल लाइन्स निवासी पीड़ित डॉ. आदर्श संघी न तो यूपीआई का इस्तेमाल करते थे और न ही उन्हें इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी थी। जुलाई 2026 में जब उन्हें खाते से रकम कटने की जानकारी मिली, तो उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि गार्ड सचिन शर्मा ने मौका पाकर डॉक्टर के मोबाइल से सिम निकाल ली और अपने फोन में डालकर यूपीआई चालू कर लिया। इसके बाद उसने फोनपे के जरिए धीरे-धीरे करीब 12 लाख रुपये पार कर दिए। प्रभारी निरीक्षक धनंजय पांडे ने टीम सहित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सैमसंग मोबाइल फोन व दो सिम कार्ड बरामद किए हैं तथा उसे जेल भेजा जा रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, एक लाख रुपये भी ले जाने की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरिया थाना क्षेत्र में करीब 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता ने किच्छा इन्द्रानगर निवासी युवक पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। किशोरी के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी करीब 17 वर्षीय पुत्री को किच्छा इन्द्रानगर, जिला ऊधमसिंह नगर निवासी अयान पुत्र मेहदी हसन कथित तौर पर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। परिजनों को घटना की जानकारी 19 सितंबर को हुई। इसके बाद उन्होंने अमरिया थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पिता ने आरोप लगाया कि किशोरी के घर से जाने के दौरान एक लाख रुपये की नकदी भी साथ ले जाई गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस किशोरी की बरामदगी के प्रयास के साथ ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि किशोरी किन परिस्थितियों में घर से गई और उसके साथ कौन-कौन लोग संपर्क में थे। पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस किशोरी की तलाश में जुटी है।

अवैध कॉलोनियों पर बीडीए का बुलडोजर, 9 हजार वर्गमीटर में ध्वस्तीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बुधवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने सुभाषनगर और कैंट क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की। करीब 9,000 वर्गमीटर क्षेत्र में सड़क, नाली, बाउंड्रीवाल और प्लॉटिंग के अवैध कार्य ध्वस्त किए गए। सुभाषनगर के ग्राम करेली में 3,000 वर्गमीटर और कैंट क्षेत्र के ग्राम बुखारा में 6,000 वर्गमीटर भूमि पर बिना स्वीकृति कॉलोनी विकसित की जा रही थी। बीडीए ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के तहत कार्रवाई की। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि प्लॉट या भवन खरीदने से पहले मानचित्र स्वीकृति और वैधता की जांच जरूर करें। बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण या प्लॉटिंग पर ध्वस्तीकरण समेत कार्रवाई की जाएगी।

थाना सिविल लाइन पुलिस नें एक अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / आज जनपद बदायूं में एसएसपी के निर्देशानुसार जनपद में अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी व अवैध शस्त्र के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त अरबाज उर्फ जला पुत्र रहीश अहमद शाह नि0 नई बस्ती नाहरखां सराय थाना कोतवाली जनपद बदायूँ को मय एक तंमचा देशी नाजायज 315 बोर मय जिन्दा कारतूस 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना सिविल लाइन पर मु0अ0सं0 338/2026 धारा 3/25(1-B)A आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर सपा ने तेज की तैयारी

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को बिलारी स्थित सपा कैंप कार्यालय पर शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर बैठक हुई। इसमें कार्यकर्ताओं को स्कूलवार जिम्मेदारी सौंपकर शिक्षक मतदाताओं से संपर्क करने की रणनीति बनाई गई। शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों में संपर्क कर अध्यापकों तक पार्टी की नीतियों और प्रत्याशी के चुनावी एजेंडे को पहुंचाने की अपील की।

उन्होंने शिक्षक मतदाताओं से संवाद कर चुनाव में समर्थन जुटाने का आह्वान किया। विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा

कि कार्यकर्ताओं को एक-एक विद्यालय की जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि वहां के अध्यापकों से लगातार संपर्क और संवाद बना रहे। उन्होंने शिक्षक एमएलसी चुनाव को आगामी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल बताया और कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष हाजी उस्मान एडवोकेट, सद्दाम प्रधान, माजिद प्रधान, बसर मलिक, रामबाबू यादव, कय्यूम पाशा, हाजी कदीर अंसारी, कपिल राज वाल्मीकि, प्रशान्त गुप्ता, शिशुपाल यादव, रमाकांत सैनी, सतवीर कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीन-दुखियों की सेवा ही भगवान की सेवा : अतुल कृष्ण भारद्वाज

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । श्रीराम कथा में कथा व्यास परम पूज्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने भगवान श्रीराम के धनुष भंग, परशुराम-लक्ष्मण संवाद और श्रीराम विवाह के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि दीन-दुखियों की सेवा करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र भगवान श्रीराम को जनकपुरी ले गए, जहां सीता स्वयंवर में कोई भी राजा भगवान शिव के धनुष को नहीं तोड़ सका। विश्वामित्र की आज्ञा पाकर श्रीराम ने धनुष भंग किया। धनुष टूटने का समाचार पाकर परशुराम स्वयंवर सभा में पहुंचे और श्रीराम-लक्ष्मण से संवाद किया। बाद में वे श्रीराम की क्षमता और उद्देश्य से संतुष्ट होकर तप एवं भक्ति में लीन हो गए। कथा व्यास ने कहा कि भगवान कण-कण में विराजमान हैं। समाज

के दीन-दुखियों, वनवासियों और आदिवासियों के कष्ट दूर करने का प्रयास करना तथा संगठित होकर सामाजिक बुराइयों का सामना करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, छुआछूत और भेदभाव को समाप्त करने के लिए सभी को भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। कथा के दौरान राजा जनक द्वारा राजा दशरथ को बारात के लिए आमंत्रित करने और श्रीराम विवाह के प्रसंग का भी वर्णन किया गया। बारात जनकपुरी पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास के साथ नृत्य-गायन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, हरीश ठाकुर, आकाश कुमार पाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र शिक्षण शारीरिक प्रमुख नरेश, रणवीर सिंह, अभिषेक, प्रिंस सिंह, ऋषिपाल सिंह चौधरी, चंद्रपाल सिंह चौधरी, ओमवीर सिंह खड़गवंशी, अभिषेक राठौर, मुख्य यजमान निखिल पांडे, पंकज चौहान, दिनेश कुमार, विभोर पांडे, कौशल ठाकुर, संजय राणा, अभिषेक पांडे, नरेश गुप्ता अलंकार, लवली यादव, अमित पाल, श्रीकांत गुप्ता, आकाश गुप्ता, नितिन डुडेजा, सागर गुप्ता, मानस पांडे, मुन्ना शास्त्री, मुकुल पांडे, राजेंद्र सिंह, विशाल शर्मा पुरानी तहसील, आयुष्मान श्रुति, विनीत चौधरी, अनिल शर्मा, संजीर्वा और पूर्व जिला पंचायत सदस्य दीपक सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

थावंला के युवक की पंजाब में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, शव नहर में मिला

बिलारी। क्षेत्र के गांव थावंला से पंजाब के बठिंडा में काम करने गए युवक का शव एक नहर में मिला। वह पांच दिन से गायब था। सूचना मिलते ही घर में हड़कंप मच गया और परिवार के लोग पंजाब को रवाना हो गए। यासीन सलमानी का 18 वर्षीय बेटा सैफ अली पंजाब के बठिंडा में रहकर मोटर मैकेनिक का काम करता था। पांच दिनों से वह गायब था। उसकी कोई भी जानकारी नहीं

मिल पा रही थी। उसके गायब होने के बाद चिंतित परिवार के लोग पंजाब पहुंच गए थे। कई दिन से उसकी तलाश चल रही थी। मंगलवार की रात रात उसका शव एक नहर से मिला। युवक के चेहरे पर चोट के निशान भी मिले। पोस्टमार्टम के बाद शव को गांव लाने की तैयारी चल रही थी।

मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती, पौध संरक्षण एवं कृषि अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने किया जागरूक

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । कृषि विज्ञान केंद्र में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की सीएसआर-मारुति परियोजना के अंतर्गत मुरादाबाद में पचास किसानों के लिए किण्वित जैविक खाद,संतुलित पोषण प्रबंधन एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण दिया। इसका उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक इनपुट, प्राकृतिक खेती, पौध संरक्षण तथा कृषि अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन की नवीन एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था। सस्य विज्ञान संभाग दिल्ली की देखरेख में आयोजित परियोजना का मार्गदर्शन संभाग के अध्यक्ष एवं परियोजना समन्वयक डॉ. एस. एस. राठौर तथा डॉ. विशाल सिंह सोमवंशी, सूत्रकृमि विज्ञान संभाग नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने किण्वित जैविक खाद के वैज्ञानिक महत्व, उपयोग की विधि तथा कृषि में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया जैविक खादों का वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग मृदा में जैविक पदार्थ एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता बनाए रखने तथा मृदा स्वास्थ्य में सुधार में सहायक हो सकता है।विशेषज्ञों ने किसानों को एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की सलाह दी, जिसमें जैविक एवं रासायनिक पोषक स्रोतों का फसल की आवश्यकता एवं मृदा परीक्षण के आधार पर समन्वित उपयोग किया जाता है।किसानों से बिना मृदा परीक्षण के उर्वरकों के अनावश्यक प्रयोग से बचने तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश एवं आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक टीम की सक्रिय सहभागिता रही। डॉ. हसन तनवीर प्रभारी अधिकारी ने किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। डॉ. मनोज कुमार, एसएमएस/सहायक प्रोफेसर (पशुपालन) एवं सह-प्रभारी अधिकारी ने कृषि-पशुपालन आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली तथा पशुपालन को कृषि प्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने संबंधी जानकारी दी।

डॉ. विश्वेन्द्र,एसएमएस (पादप संरक्षण) ने फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन, जैविक उपायों तथा समेकित कीट प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को आवश्यकता आधारित पौध संरक्षण उपाय अपनाने तथा कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग की सलाह दी। डॉ. सौरभ तोमर, एसएमएस उद्यानिकी ने उद्यानिकी फसलों, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, आधुनिक पौध उत्पादन तकनीकों तथा वैज्ञानिक बागवानी प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों एवं विशेषज्ञों ने पुलकित वार्ष्णेय के सहयोग से सीबीजी प्लांट का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों को कृषि अवशेषों एवं जैविक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन, उनके मूल्य संवर्धन तथा अपशिष्ट से उपयोगी संसाधन तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। स्थल भ्रमण के दौरान किसानों ने प्लांट की कार्यप्रणाली को समझा तथा कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग और संसाधन पुनर्चक्रण की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रगतिशील किसान आरेंद्र बड़गोती ने स्थानीय संसाधनों के उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों से संबंधित अनुभव बताए। कार्यक्रम में वाई.पी. मुनीश पाल मुरादाबाद, मनीष कुमार प्रजापति बरेली की सक्रिय भूमिका रही। डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. कपिला शेखावत, डॉ. आंचल, डॉ. सुभाष, डॉ. प्रवीण कुमार उपाध्याय, डॉ. विशाल त्यागी, डॉ. मोना, डॉ. अर्जुन सिंह एवं डॉ. स्मृति का विशेष योगदान रहा।परियोजना टीम द्वारा किसानों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी कृषि संबंधी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं पर चर्चा की गई तथा वैज्ञानिक समाधान सुझाए।

संकुल खेलों में छात्राओं ने दिखाया दमखम

बिलारी शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज बिलारी में बालिका वर्ग में तीन दिवसीय संकुल खेल प्रतियोगिता राम रतन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पुष्पेंद्र कुमार व प्रधानाचार्य सुनीता राठौर ने द्वारा मां सरस्वती का पूजन व द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

इसमें शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, राम रतन इंटर कॉलेज, आर. पी .विद्या मंदिर श्योडारा ,डॉ देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, मीरा अग्रवाल इंटर कॉलेज अमरपुरकाशी, कृषि औद्योगिक इंटर कॉलेज अमरपुर काशी आदि के खिलाड़ियों ने शपथ लेकर मार्च पास्ट किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह, पूजा, पुनीत, ऋषिपाल सिंह यादव, आदित्य, अक्षय भटनागर, राकेश कुमार, प्रिया आर्य, सुरेंद्र कुमार मौजूद रहे खेलों का संचालन खेल प्रभारी सीमा व रीमा मौर्य ने किया।

प्रथम दिवस की प्रतियोगिताओं में गोला फेंक जूनियर वर्ग में प्रथम मनसा गुप्ता शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, द्वितीय अवंतिका डॉ देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, तृतीय शीतल कृषि औद्योगिक अमरपुर काशी, सब जूनियर वर्ग में प्रथम खुशबू शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, द्वितीय वैष्णवी डॉक्टर देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर। सीनियर वर्ग में प्रथम कल्पना डॉ देवेंद्र पाल इंटर कॉलेज, द्वितीय अनु मीरा अग्रवाल इंटर कॉलेज अमरपुर काशी, तृतीय दीक्षा कृषि औद्योगिक अमरपुर काशी। चक्का फेंक- जूनियर वर्ग प्रथम शीतल कृषि औद्योगिक अमर पुर काशी द्वितीय मनसा गुप्ता शंकर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, तृतीय अवंतिका डॉ देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर। सब जूनियर वर्ग में - प्रथम आंचल शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, द्वितीय वैष्णवी डॉक्टर देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, तृतीय अंजलि कृषि औद्योगिक अमरपुर काशी। सीनियर वर्ग में- प्रथम शुभ चौधरी डॉ देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, द्वितीय अनु मीरा अग्रवाल इंटर कॉलेज, तृतीय दीक्षा कृषि औद्योगिक अमरपुर काशी। भाला फेंक - जूनियर वर्ग में प्रथम मनसा गुप्ता शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, इंटर कॉलेज, द्वितीय अवंतिका डॉक्टर देवेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर, तृतीय प्रशाली राजकीय इंटर कॉलेज नागलिया जट। सीनियर वर्ग में प्रथम लता शंकर सहाय हर कन्या इंटर कॉलेज, द्वितीय दीक्षा कृषि औद्योगिक अमरपुर काशी, तृतीय रोशनी आर पी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आदि ने स्थान प्राप्त किया।

संकल्प बाइक यात्रा का भाजपा लोगों ने किया भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/कालपी जालौन - मोदी जन्म दिवस पर संकल्प बाईक की यात्रा का कालपी सैकड़ो भाजपाइयों ने यात्रा में चल रहे बाइक सवार लोगों का माल्यार्पण कर सर्वाधिक स्वागत किया तथा जेसीबी मशीन से फूलों की वर्षा कर अभूतपूर्व स्वागत किया।

मंगलवार की देर शाम काशी बनारस सडनगर से बाइकों में सवार युवा के संकल्प यात्रा में विभिन्न जनपदों से होती हुई जैसे ही बुंदेलखंड प्रवेश द्वार

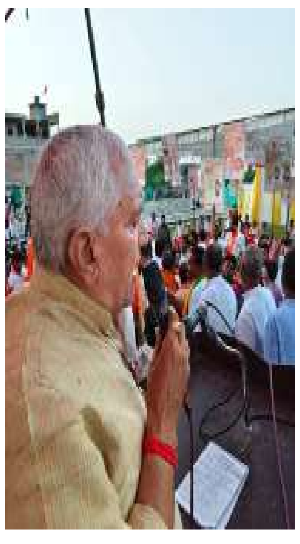

पर आई उनके स्वागत के लिए पहले से मौजूद भाजपा जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी माधवगढ़ विधायक मूलचंद पूर्व विधायक डॉक्टर अरुण मेहरोत्रा पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन निरंजन कार्यकारिणी प्रदेश सदस्य संजय त्रिपाठी पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव नगर पालिका कोच अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता विधायक पुत्र आशीष चतुर्वेदी उर्फ़ आशु भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी शशिकांत सिंह कल्लू ठाकुर अशोक बाजपेई जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे अमरदीप पांडे अंकित सिंह भारत सिंह पूर्व सभासद राजेश द्विवेदी बाबू सिंह यादव नगर उपाध्यक्ष संजय सविता राजेंद्र साहू डॉ सुरेश प्रजापति छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी अवनीश बाजपेई बालक दास पाल अतुल गुप्ता सिंटू सूर्यपाल सिंह मंडल कोषाध्यक्ष राकेश पुरवार

आशुतोष मिश्रा सर्राफा मंडल अध्यक्ष अरविंद उर्फ कल्लू सोनी कन्हैया मिश्रा सभासद राकेश यादव रविंद्र कोरी आशीष यादव रविंद्र यादव प्रदीप किशोर तिवारी सत्य प्रकाश बिश्नोई सर्वेश पुरवार दिलीप कुशवाहा ज्योति विश्वकर्मा रीतू सिंह नीरज द्विवेदी अवधेश तिवारी संदीप शर्मा मुन्ना चौधरी संजय गुप्ता श्री कृष्णा गौतम धर्मेंद्र पाल राजन सिंह हरी बाबू गुप्ता आदि सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में जन चौपाल लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी समेत दोनों के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाओं को जमकर बखान कर मौजूद लोगों को जागरूक किया इसके उपरांत बाइक सवार युवक संकल्प यात्रा में चलकर जैसे ही चौपाल पंडाल हाईवे के किनारे आए मौजूद सैकड़ो लोगों ने उनका सर्वाधिक स्वागत किया इसके उपरांत महारानी लक्ष्मीबाई पार्क समारोह प्रांगण में वृक्षारोपण कर पालन पोषण एवं सुरक्षा करने का संकल्प लिया इतना भी नहीं मौजूद लोगों को एक-एक मां के नाम वृक्ष लगाने का पुरजोर संदेश दिया स्वागत लेने के बाद बाइक सवार युवक संकल्प यात्रा को लेकर उरई के लिए कूच कर गए।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम विवाह के बाद ससुराल पहुंची विवाहिता का दहेज को लेकर उत्पीड़न

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। प्रेम विवाह के बाद ससुराल पहुंचने पर विवाहिता का दहेज के लिए उत्पीड़न किया। उसे बुरी तरह से प्रताड़ित किया गया। छह लोगों के विरुद्ध कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला अमरोहा के शेरपुर तोंडी मंडी धनौरा निवासी वैशाली भारती पुत्री वीर सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उसने हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक रुस्तमनगर सहसपुर के रहने वाले तरुण पाल के साथ शादी की थी। जिसके बाद उप निबंधक कार्यालय में कानूनी रूप से विभाग को पंजीकृत भी कराया। अंतरजातीय विवाह होने के कारण ससुराल पक्ष के लोग विवाह के पक्ष में नहीं थे और उससे संबंध तोड़ लिए। विवाह के बाद वह अपनी ससुराल पहुंची तो ससुर लक्ष्मी नारायण सास देवर आदि ने दहेज न लाने के कारण उसे घर में प्रवेश करने से साफ मना कर दिया, कहा कि चार पहिया कार और शादी का पूरा सामान नहीं आएगा। तब तक घर में नहीं रखेंगे। इसके बाद उसका पति उसे हिमाचल प्रदेश में लेकर चला गया। विभाग के कुछ समय बाद पति तरुण पाल, ससुर लक्ष्मी नारायण, सास रानी, देवर ऋतिक पाल, नंद आकांक्षा, चाचा प्रीतपाल के कहने पर कम दहेज के लिए उसे ताने दिए जाने लगे और बुरी तरह से प्रत्याड़ित किया जाता था। कई बार जान से मारने का प्रयास भी किया गया। पति ने मारपीट करके उसका हाथ भी तोड़ डाला। कई दिनों तक एक कमरे में बंधक बनाकर खाने पीने के लिए तरसाया जाता था। देवरा अश्लील हरकतें किया करता था। गर्भवती होने पर पति ने पेट पर लात मारी जिससे उसका गर्भ गिर गया। कई बार पहाड़ से गिराने का प्रयास भी किया गया। अवैध रूप से तलाक के मुकदमे में सहमति ली गई। जाति सूचक शब्दों और अपमानजनक शब्दों का भी प्रयोग किया गया। तहरीर के बाद पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी।

अटल आवासीय विद्यालय में हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

कुंदरकी । हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत अटल आवासीय विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता बीगम राम ने किया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रधानाचार्य त्रिपुरारी प्रसाद सिंह ने पुरस्कृत किया। इस दौरान विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

वन विभाग ने गांवों में की गोष्ठियां

कुंदरकी । वन विभाग की ओर से ग्राम हरौरा, बीरमपुर और रोजा सहित अन्य गांवों में ग्रामीणों के साथ गोष्ठियां आयोजित कर तेंदुए से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने वन्यजीवों से जुड़ी समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं। क्षेत्रीय वन अधिकारी रिजुल कंसल के निर्देशन में अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को तेंदुए से बचाव के उपाय बताए और सतर्क रहने की अपील की।

फैक्ट्री के पास अवैध रूप से चहलकदमी की शिकायत

बिलारी । कोतवाली के मनकुला गांव की श्री राम इंडस्ट्री के

पास मंगलवार की शाम अज्ञात व्यक्ति मुख्य गेट पर चहल कदमी करता पाया गया। फैक्ट्री स्वामी ने इसको लेकर चोरी की आशंका जताई है सीसीटीवी कैमरे में चोरी का प्रयास करने की वीडियो कैद हो गई। इससे पहले भी इस फैक्ट्री में कई बार चोरी जैसी घटनाएं हुई हैं। फैक्ट्री संचालक गौरव गुप्ता, संजीव गुप्ता आदि ने इसको लेकर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करने को तहरीर दी है। तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद प्रशासन आया हरकत में, विवादित भूमि पर रिसीवर को कब्जा दिलाकर उपलब्ध कराई पुलिस सुरक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / अभी तक अवैध कब्जा करने वाले भूमाफियाओं पर रिपोर्ट दर्ज नहीं, थाना न्यूरिया पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह, अगली तारीख पर हाई कोर्ट में उठेगा यह बिंदु। ग्राम खिरका में 02.02.2026 को स्थरूकोर्ट द्वारा गुंचा भाटिया आदि बनाम प्रणव भसीन आदि मामले में कोर्ट द्वारा विवादित कुर्क की गई भूमि पर दबंगई से कोर्ट के आदेश को धता बताकर कब्जा करने वाले प्रणव भसीन और रीता भसीन के विरुद्ध कोर्ट द्वारा नियुक्त रिसीवर ममता देवी ग्राम प्रधान बहरुआ द्वारा पुलिस और तहसील प्रशासन से की गई अनगिनत शिकायतों के बाद संज्ञान ना लिए जाने पर यह प्रकरण उच्च न्यायालय इलाहाबाद गया

जहां हाई कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी पीलीभीत और उपजिलाधिकारी अमरिया से अलग अलग शपथ पत्र दाखिल कर इस मामले में अब तक कार्यवाही क्यों नहीं की गई इस पर जवाब तलब कर लिया जिस पर जिला प्रशासन ने आज उक्त विवादित भूमि पर रिसीवर ममता देवी को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करा कर उनको मौके पर कब्जा दिला दिया इस अवसर पर राजस्व प्रशासन की ओर से लेखपाल खिरका, लेखपाल मझोला, कानूनगो टोंडरपुर प्रभारी थानाध्यक्ष न्यूरिया और चौकी इंचार्ज मझोला दर्जनों महिला और पुलिस पुलिस कर्मियों समेत तहसील और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही। मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान बहरुआ और इस भूमि की रिसीवर ममता देवी को पूर्व सुरक्षा देने और इस भूमि पर किसी भी कार्य करने को किसी के द्वारा परेशान करने और कोई जबरन कब्जे के प्रयास पर तत्काल सूचना देने और पुलिस सहायता उपलब्ध कराने हेतु उक्त थाना और तहसील की टीम ने आश्वासन दिया। इस सब मशक्कत के मध्य एक बड़ा सवाल यह है कि इतना दुस्साहस करने वाले भूमाफियाओं को पुलिस आखिर अब तक बचा क्यों रही है और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से क्यों बच रही है। इन भूमाफियाओं ने ऐसा ही एक प्रयास फरवरी 2026 के अंत में भी किया था जिसे पुलिस ने निष्फल किया पर तब भी मुकदमा दर्ज नहीं किया। इन्हीं भूमाफियाओं ने अपने सहयोगियों के साथ इस भूमि के स्वामी सुनील कुमार की मृत्यु के 19 वर्षों बाद उनकी फर्जी वसीयत बनाकर भूमि अपने नाम कराने का प्रयास किया जिसकी जानकारी मिलने पर उनकी पुत्री गुंचा भाटिया ने फॉरेंसिक जांच कराकर फर्जी वसीयत पर उसके पिता के हस्ताक्षर जाली साबित कर दिया जिसकी शिकायत होने पर भी पुलिस ने इन लोगों पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया जिस कारण निरंतर इन भूमाफियाओं का साहस बढ़ता चला गया और अब ये लोग खुलेआम दबंगई करने लगे। शिकायतकर्ता गुंचा भाटिया के द्वारा आगामी 8 अक्टूबर को लगी तारीख पर हाई कोर्ट के समक्ष पुलिस की इस लापरवाही और दबंगों को बचाने के मामले को प्रकाश में लाने की तैयारी की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान में छात्र-छात्राओं ने दिखाई चित्रकारी प्रतिभा

क्यूँ न लिखूँ सच / भुता। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को बीआरसी फैजनगर में चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी चित्रकारी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक सोच को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर तक अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम संचालित होते रहेंगे। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी विदुशी सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, विशिष्ट अतिथि गया प्रसाद,रोहित शर्मा, बिंद्रेश कुमार, वीरेंद्र तोमर, अभिषेक तिवारी, रजनीश कुमार समेत , राजेंद्र कुमार, और समस्त एआरपी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी शिक्षकों और एआरपी बंधुओं का सहयोग रहा।

सेवा संकल्प अभियान में छात्र-छात्राओं ने दिखाई चित्रकारी प्रतिभा

क्यूँ न लिखूँ सच / भुता। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को बीआरसी फैजनगर में चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी चित्रकारी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक सोच को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन जनपद स्तर पर आयोजित होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर तक अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम संचालित होते रहेंगे। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी विदुशी सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, विशिष्ट अतिथि गया प्रसाद,रोहित शर्मा, बिंद्रेश कुमार, वीरेंद्र तोमर, अभिषेक तिवारी, रजनीश कुमार समेत , राजेंद्र कुमार, और समस्त एआरपी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी शिक्षकों और एआरपी बंधुओं का सहयोग रहा।

एफएलएन प्रशिक्षण के पांचवें चरण मे 100 शिक्षक प्रशिक्षित

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के एक स्कूल मे चल रहे एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण के पांचवें चरण का बुधवार को समापन हुआ। दो बैचों में शामिल कुल 100 शिक्षकों को बच्चों की आधारभूत साक्षरता और गणना कौशल मजबूत करने के तरीके बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों और नई पाठ्य-पुस्तकों के उपयोग की जानकारी दी गई। बच्चों की सीखने की क्षमता पहचानने, पिछड़ रहे विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक शिक्षण करने और प्रवाहपूर्ण पठन का अभ्यास कराने के तरीके भी समझाए गए। संदर्भदाताओं ने कक्षा में गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाने और प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नजर रखने पर जोर दिया। शिक्षकों को साप्ताहिक आकलन के माध्यम से बच्चों के शैक्षिक स्तर की समीक्षा करने और उसके आधार पर आगे की शिक्षण योजना तैयार करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंतिम दिन शिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण कराया गया। इसमें प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर उनकी समझ का आकलन किया गया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता एआरपी भगवान दास गंगवार, आशीष शर्मा, पूजा चौधरी, एलएलएफ ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमरुद्दीन खान सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं व शिक्षामित्र शामिल रहे।।

दसलक्षण पर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म मनाया,जीवन की यात्रा लघु नृत्य नाटिका ने सभी को मंत्र मुग्ध किया

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा। श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में चल रहे पर्युषण पर्व के आठवे दिन उत्तम त्याग धर्म मनाया प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि प्रतिदिन रात्रि में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जा रही है जिसमें सभी को मनोरंजन के साथ धर्म का भी ज्ञान मिल रहा है रात्रि में जीवन यात्रा नामक लघु नाटिका का मंचन किया गया जिसमें बचपन से बुढ़ापे तक के सफर को रेलगाड़ी की तरह समझाया।भक्ति और धर्म के महत्व को बड़े ही रोचक तरीके से समझाया।आज रात्रि धर्म के धुरंधर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।ट्रस्ट अध्यक्ष ने अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की। पंडित संयम शास्त्री ने समयसार नाटिका ग्रंथ पर स्वाध्याय में आज भेद विज्ञान पर चर्चा करते हुए बताया कि भेद विज्ञान एक प्रोसेस है,एक प्रक्रिया है। हमें दुनिया क्या देख रही है इसकी चिंता है, पर हमें तीन नेत्र सदा देखते हैं। पहला - धर्म, दूसरा - हमारी आत्मा के चारों ओर चिपकी हुई कर्म वर्गणा, और तीसरा - हम स्वयं। दुनिया को धोखा दे लोगे, इन तीनों को नहीं दे सकते। तप का अर्थ शरीर को सताना नहीं। असली तप है ज्ञानी की चीटिंग करना।

ज्ञानी जैसा विचारते हैं, वैसा हम भी विचारने लगें। ज्ञानी कहते हैं - मैं ज्ञायक हूँ, ये पर पदार्थ मेरे नहीं। तुम भी यही मानना शुरू कर दो, इसी का नाम भेद-विज्ञान है। शास्त्र कहानी के लिए नहीं, आईना देखने के लिए है। सती अंजना ने बिना दोष के इतना सहा, छोटे से उपहास का इतना बड़ा फल। उनके जीवन में हमें अपना संसार देखना है। जब तक पर में सुख बुद्धि है, तब तक संसार में भटकना ही पड़ेगा। सायंकालीन प्रवचन में उत्तम त्याग धर्म पर चर्चा करते हुए बताया कि त्याग करने से पहले ये विचार करो - छोड़ा किसने? क्या छोड़ा? जब तक मैंने छोड़ा ऐसा अहंकार है, तब तक वह त्याग नहीं, भोग ही है। सच्चा त्यागी तो कहता है - पर वस्तु मेरी थी ही नहीं, तो मैंने क्या छोड़ा? दुनिया कहती है - जो देता है वो त्यागी। जैन धर्म कहता है - जो लेता ही नहीं वो त्यागी। पर पदार्थ को अपना मानना ही लेना है, और उसे अपना न मानना ही छोड़ना है। यही अभ्यंतर त्याग है। बाहरी त्याग सबको दिखता है, अंदर का त्याग किसी को नहीं दिखता। लोग धन छोड़ते हैं, पर मान नहीं छोड़ते। असली परीक्षा वहाँ है - जब कोई निंदा करे तब भी मन में ज्ञायक रहना, राग-द्वेष न आना, यही उत्तम त्याग धर्म है।

एफएलएन के जरिए शैक्षिक स्तर सुधारने पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / भुता। बीआरसी भुता पर बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त एआरपी, एलएलएफ के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हनुमत सिंह एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नेहा के साथ बैठक हुई। बैठक में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी) कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बच्चों की बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को मजबूत करने, कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने तथा ब्लॉक के शैक्षिक स्तर में सुधार के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए। एलएलएफ टीम ने एफएलएन से संबंधित गतिविधियों और उनके बेहतर क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक जानकारी साझा की। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने एआरपी एवं संबंधित टीम को विद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों की नियमित निगरानी करने और बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया। बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर भी बल दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आजीवन कारावास पाए पांचों दोषियों को हाईकोर्ट से जमानत

क्यूँ न लिखूँ सच /झांसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के अपराध संख्या 51/2023 से जुड़े हत्याकांड में अपर सत्र न्यायालय संख्या-2, झांसी से आजीवन कारावास की सजा पाए रामस्वरूप, मयंक श्रीवास, शरद कुमार, अवधेश कुमार एवं दीपक को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने की जानकारी सामने आई है। केस संख्या 51/2023 7 थाना सीपरी बाजार, झांसी 7 ट्रायल कोर्ट-अपर सत्र न्यायालय संख्या-2, झांसी 7 अपील संख्या 5715/2026 7 हाईकोर्ट डबल बेंच-माननीय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं माननीय न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी ट्रायल कोर्ट ने पांचों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की गई थी। मामले में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता योगेश दत्त मिश्रा एवं अधिवक्ता शिवांगी चतुर्वेदी ने पैरवी की। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आवश्यक जमानती औपचारिकताएं पूरी होने पर पांचों की जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों ने दिखाई चित्रकला प्रतिभा

क्यूँ न लिखूँ सच / मीरगंज, फतेहगंज पश्चिमी। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को विद्यार्थियों की तहसील स्तरीय चित्र प्रदर्शनी तहसील सभागार में आयोजित की गई। शुभारंभ विधायक डॉ. डीसी वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार व एसडीएम निधि शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मेरे सपनों का भारत विषय पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण से जुड़े चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाएं प्रस्तुत कीं। विधायक ने नारी सम्मान व सशक्तिकरण पर विचार रखे। जिलाध्यक्ष ने सरकारी योजनाओं और ब्लॉक प्रमुख ने अर्थव्यवस्था में सुधार पर विचार रखे। प्रतियोगिता में खिरका की याशी प्रथम, बल्लाकोठा की नीतू द्वितीय और अभयराजपुर के आशुतोष तृतीय रहे। विजेताओं को विधायक ने प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीईओ डॉ. जगदीश कुमार, बीईओ फतेहगंज पश्चिमी भानु शंकर गंगवार, हरीश बाबू गंगवार, संजय कुमार शर्मा, नफीस अंसारी, एआरपी संगीता मित्तल एवं आशीष शर्मा समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी मौजूद रहे। रंगोली भी आकर्षण का केंद्र रही।।

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल रोड पार कर रहे कारीगर की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।हाइवे पर कस्बा से मंगलवार देर शाम अज्ञात अनियंत्रित वाहन की टक्कर से घर लौट रहे गंभीर घायल युवक की आधी रात के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।परिजनों ने बुधवार को पुलिस को बगैर सूचना के ही अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के मुताबिक रबड़ फैक्ट्री कॉलोनी निवासी नेमचंद (45) को राधा-कृष्ण मंदिर के पास कॉलोनी गेट के सामने नेशनल हाइवे पर मंगलवार देर शाम अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायल नेमचंद को एंबुलेंस से बरेली के एक निजी अस्पताल भेजा दिया। जहां इलाज के दौरान उनकी आधी रात को मौत हो गई।जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।वह अपने पीछे पत्नी चांदनी, बेटा अजय और एक बेटी को छोड़ गए है। दोनों बच्चों की शादी हो चुकी है।मौत से पत्नी सदमे में है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और बिना पोस्टमार्टम कराए बुधवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया परिजनों ने पुलिस को मौत की सूचना नहीं दी।जिससे पुलिस की अग्रिम कार्यवाही नहीं हो सकी।

सड़क दुर्घटना में लड़की घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /कालपी जालौन- 28 वर्षीय रूबी सिंह पुत्री लख राज सिंह निवासी कुशुम वाटिका मथुरा मंगलवार को हाईवे सड़क पर सफर करते वक्त अज्ञात बाहन की टक्कर से बुरी तरह घायल हुई घटना की सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस के कर्मियों ने हाईवे सड़क पर घायल अवस्था में पड़ी लड़की को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पाए जाने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

From the "wise man without words" to the "heartbroken lover"... every friend group has these 6 unique characters!

The great thing about friendship is that we learn so much from friends with different personalities. A group of friends isn't limited to school; its scope expands with college and then office. Regardless of the type of friend group, there are some characters who are completely fixed. It's these intimate friends who keep the friend circle alive, the ones who sometimes make us angry and sometimes make us laugh out loud. The One Who Gives Meaningless Knowledge - In every group of friends, there's always that one person who has the answer to everything. It's as if they're the creator of this world, whether they're right or wrong. Their quick wit makes them a star in the group, and they also become a free counselor. The Foodie Friend - No amount of talk about the foodie friend is enough. Whenever there's any mention of food, his ears perk up. If you plan to go somewhere, he starts asking for the menu as if it's a big party. Meanwhile, while everyone on the trip is enjoying themselves, one person among us is focused solely on the food. The one who cancels plans - Everyone has probably made plans for Goa, but has it ever been successful? And we know the reason: that one friend who initially seems ready but ultimately says, "My family won't agree." Is he copying Popatlal from Tarak Mehta? The one who creates drama over every little thing - Girls are ahead in this, which is why people don't hesitate to call them drama queens. Nowadays, even some boys are getting the princess treatment. They blow a small thing out of proportion until it seems like a big deal, then overthink it and tell their friends stories. Whining and complaining is at the top of these friends' wish lists. Heartbroken lover - You might have seen many lovers around you but you will find a heartbroken lover in every friend circle. The one who celebrates by listening to a breakup song one day and the next day starts saying that he misses you. Sad songs are so much his favourite, don't even ask! - The most innocent - Yes, that innocent friend whom people sometimes tag as a people pleaser and sometimes make fun of by calling him foolish. He has almost no understanding of worldly matters.

Don't have any vegetables at home? Make this famous Rajasthani papad ki sabji in 10 minutes. Take note of the recipe.

In Rajasthan, water scarcity made farming impossible, so delicious vegetable-free dishes have been invented, such as papad ki sabji. There are times when we don't have any vegetables at home. Sometimes, we get so bored of the same dal-roti that we rush to the market for something new. In such a situation, this special Rajasthani sabji can be a delicious option for you. We're talking about the traditional papad ki sabji. Let's learn its recipe. Rajasthani Papad Sabzi Recipe - This sabji requires papad and spices. Follow these steps: Ingredients: 5-6 papads, 1/2 cup yogurt, 2-3 tomatoes, 2-3 tablespoons coriander leaves, 1 tablespoon kasuri methi, 2-3 finely chopped green chilies, 1/2 teaspoon cumin seeds, 1/4 teaspoon turmeric powder, 1/4 teaspoon red chili powder, 1 teaspoon coriander powder, 1 inch ginger, 1 pinch asafoetida, salt to taste. Method: In the first step, fry the papads. For this, you can fry them in a pan with oil or fry them without oil on the stove. The next step is to mix half a cup of water with the yogurt and whisk it well. Place the pan on the stove and add 2-3 tablespoons of oil. Heat the oil and fry the cumin seeds, asafoetida, ginger, and green chilies. Then, grind the tomatoes into a fine paste. Add the tomatoes and red chilies, turmeric, coriander powder, and kasuri methi. Fry this spice until the oil begins to separate from the water. Add 1 cup of water and salt to taste. Let the gravy simmer over low heat, and as soon as it begins to boil, add the yogurt. Remember to add the yogurt slowly, stirring constantly over low heat. This process will prevent the yogurt from curdling. After a while, add finely chopped coriander leaves. Finally, add the papad and let it cook over low heat for 2 minutes. Your papad curry is ready. Serve with rice or roti for lunch or dinner. What to keep in mind? - Avoid adding the curd to the gravy immediately after removing it from the refrigerator; add it to the curry only at room temperature. Alternatively, you can use either tomatoes or yogurt for the gravy. For a different flavor, you can also add onions along with the tomatoes.

Waste plastic bottles will transform the look of your home! Decorate your home in such a way that everyone who sees them will admire them.

This time, instead of throwing away the bottles lying around, use them in home decor. We're sure to give your home a stunning look. Ways to decorate your home with waste bottles on a budget: Make items like pen stands, vases, hanging planters, and even piggy banks and mini greenhouses. Everyone dreams of having a beautiful home, but budget constraints always get in the way. Every month, some expense prevents you from fulfilling hobbies like home decor. So, if you constantly monitor your budget for home decor, there's no need to do so this time. We're going to share a way to decorate your home on a very tight budget. Don't throw away the waste plastic bottles and waste containers lying around in your home this time; use them for home decor. Pen Stand - If you're fond of painting, make a pen stand from small cold drink bottles. Paint them with your favorite colors and designs and use them as stationery. Vases - These plastic bottles can also be made into vases. First, wash and clean the bottles and cut off the tops. Be sure to smooth the cut edges to prevent cuts. Now, create a vase by painting the outer bottle with your favorite colors and designs. A ribbon or lace would also look great. Hanging Planter - To make a hanging planter, cut oil or cold drink bottles in the middle and paint them with your favorite oil paint or acrylic color. Paint beautiful floral designs on them, or consider making a cartoon or animal face planter. Then, fill them with soil and place any plant of your choice. Piggy Bank - Clean a plastic bottle and glue pink, green, or any other colored paper on it. Then, make a coin-sized cut in it. Glue four old bottle caps to the bottom of the bottle to create legs. Glue the bottle caps firmly and paint them to create the pig's nose. Finally, create a piggy bank by making two small ears and a tail from pink paper. Mini Greenhouse - These bottles can also be used to create a mini greenhouse for a new plant. First, take a clean, transparent bottle and cut off the bottom. Then, place the soil and seeds in a small pot, water it thoroughly, and cover it with the bottle. This will help maintain moisture in the plant, promoting good growth.

A big surprise before 'Doomsday'! Avengers: Endgame is being re-released; will we see the first glimpse of the new villain?

The film 'Avengers: Endgame', which created a stir across the world, is being re-released in theaters after seven years as 'Avengers Endgame: Encore', but with a surprise. 'Avengers Endgame' is being re-released 'Avengers: Doomsday' in the languages ??in India on which created a stir in theaters stir. Now, while the wait for the other hand, Avengers is coming to theaters - Yes, years, Avengers: Endgame is Encore, much to the delight of on screen. The release of Doomsday further increases for fans. The film is being re-Endgame: Encore. Why is the Endgame made history by films. Now, reliving that magic surprise for Marvel fans. It's the way it was meant to be seen Thanos, the subsequent (Black Widow) sacrifice leave Robert Downey Jr.'s Tony chapter is the heart of the film. the film include a special

after seven years. A glimpse of the next chapter of re-release - 'Encore' will be released in four September 25. The film Avengers: Endgame, across the world, is coming once again to create a release of Avengers: Doomsday is still on, on the Endgame is hitting theaters this week. 'Avengers' there is good news again for MCU fans. After seven returning to theaters as Avengers: Endgame: fans. Everyone's favorite superheroes will be back Avengers: Endgame before the release of Avengers: the hype surrounding the film, which is essential released worldwide under the title Avengers: story of Avengers: Endgame special? Avengers: bringing together stories and superheroes from 22 with Avengers: Endgame: Encore will be a huge a chance to experience that immersive experience on the big screen. Captain America's battle against arrival of the Avengers, and Natasha Romanoff's audiences deeply emotional. Furthermore, seeing Stark, also known as Iron Man, in Marvel's final Fans still get teary-eyed watching that scene. Will glimpse of Avengers: Doomsday? The biggest reason for audiences to return to theaters may be what's to come. Avengers: Endgame: Encore paves the way for Avengers: Doomsday, and audiences can also get an exclusive glimpse of the next chapter in the Avengers saga. With Marvel bringing together superheroes from different parts of its universe, Encore is not just a chance to relive old memories, but also a glimpse of where the story will go next, and what will be seen with the film. Speaking of Doomsday, advance bookings for the film have already begun. The film has grossed over $55 million in pre-sales. This means the film has earned around ?500 crore in pre-sales, and it is believed that Avengers: Doomsday will create history worldwide. Speaking of Avengers: Endgame: Encore, the film is set to be re-released in India on September 25th in English, Hindi, Tamil, and Telugu. Furthermore, Avengers: Doomsday will be released worldwide on December 18, 2026. The film will be released in Hindi, English, Tamil, and Telugu.

Shreya Ghoshal's melodies, Sunidhi's swag... 5 singers sang this party anthem; a cult song that's a hit at weddings.

19 years ago, five famous Bollywood singers, including Shreya Ghoshal, Sunidhi Chauhan, and Shaan, sang a song that even Gen-Z members enjoy at weddings. Shaan, Udit, Shreya, Sunidhi, and Rahul Saxena sang the played at weddings for 19 years. Javed superhit song. The biggest highlight of who hears their peppy tunes can't help released 19 years ago, gained also abroad. Surprisingly, the party share wasn't sung by one or two singers. This iconic song is played at numerous other functions today. It's Shanti Om," released in 2007, starring Rukh Khan. The song that became internationally is "Deewangi Shekhar. In Farah Khan's film, the attended by all of Bollywood's A-list Shreya Ghoshal, Sunidhi Chauhan, vocals for the song, and today, Gen-Z frequently. The lyrics of this song were stars were seen together in the song. sung in the voices of 5 singers, featured was never seen before in the history of Shahrukh Khan, a total of 30 stars Ali Khan, Rani Mukerji, Urmila

song together. This song has been Akhtar wrote the lyrics for the Bollywood songs is that anyone but dance. One such song, popularity not only in India but anthem song we're about to singers, but by five different weddings, parties, and from the blockbuster film "Om Deepika Padukone and Shah popular both domestically and Deewangi," composed by Vishal song is filmed at Om's party, stars. Shaan, Udit Narayan, and Rahul Saxena provided also performs this song written by Javed Akhtar. 30 The song Deewangi Deewangi, a total of 30 stars together, which Hindi cinema. Along with including Priyanka Chopra, Saif Matondkar, Tusshar Kapoor, Jitendra, Malaika Arora, Salman Khan, Sanjay Dutt, Shabana Azmi, Rekha, Juhi Chawla, Kajol, Sunil Shetty, Lara Dutta made appearances in this song. Another special feature of this song, filmed in Farah Khan's film Om Shanti Om, is that Shahrukh Khan danced with most of his heroines in the same iconic steps from his old songs. Talking about the star cast of the film Om Shanti Om, apart from Shahrukh Khan and Deepika Padukone, Shreyas Talpade, Kirron Kher and Arjun Rampal played important roles in it.

Lata Mangeshkar's most memorable song was rejected by the director; the lyrics of this evergreen song bring tears to the eyes.

An evergreen song by Swar Kokila Lata Mangeshkar is considered the greatest of her career. However, the story behind the song's creation is interesting. This is the greatest song of Lata Mangeshkar's career. Director Raj Khosla at the request of Manoj Kumar. Swar Kokila throughout her career that it is perhaps not only Didi sang some songs in her career that have going to tell you about one such song of Lata Didi, behind the making of this song is even more we're talking about is the most popular and Ja Gale'. Yes, we all know the history of this song of the song's popularity today. Almost everyone Recorded in the voice of Lata Mangeshkar, this However, the story behind this song's creation is to three people: Raja Mehndi Ali Khan, music Lyricist Sameer Anjaan recently revealed that this Nahta, he said, "Imagine the lyricist's brilliant a precarious situation, wondering if this meeting song, and Madan Mohan reworked the song, and

rejected the song; this song was included in the film Lata Mangeshkar gave so many memorable songs difficult but impossible to break their record. Lata remained etched in people's hearts. Today, we're which became the biggest hit of her career. The story interesting. Which is that song? - Actually, the song timeless song in the history of Indian cinema, 'Lag from the 1964 film Woh Kaun Thi. We're also aware has heard this song at some point, somewhere. song is considered the biggest song of Didi's career. also interesting. The song's melody is actually credited director Madan Mohan, and Lata Mangeshkar. is his favorite song. In a conversation with Komal work, how he wrote a song that depicts two lovers in might be their last." The lyricist had written a superb Lata Mangeshkar sang it. Had the song gone to another composer, the melody might have been different. The song was initially rejected. When Madan Mohan played the song to the film's director, Raj Khosla, he disliked the tune and flatly refused to include it in the film. Raj Khosla believed that this was a suspense-thriller film, and the song was so slow, it didn't fit the film's theme. However, Manoj Kumar liked it, and without a second thought, he flatly declared that if the song wasn't included in the film, he wouldn't make it. The director was forced to include the song. Later, when Lata Didi sang it, everyone's eyes welled up with tears. Even today, years later, this song remains on everyone's playlist.